डी.ई.सी.ई

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा में डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रीय कार्य 1 से 3
(जनवरी 2024 एवं जुलाई 2024)
डी.ई.सी.ई–1
डी.ई.सी.ई–2
डी.ई.सी.ई–3

सत्रीय कार्य–1-3
जनवरी 2024 और जुलाई 2024

कार्यक्रम कोड : डीईसीई

प्रिय विद्यार्थी,

इस डिप्लोमा कार्यक्रम में आपको तीन सत्रीय कार्य करने हैं। **ये तीनों सत्रीय कार्य करना अनिवार्य है।**

डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए आपको तीनों सत्रीय कार्यों में उत्तीर्ण होना आवष्यक है। प्रत्येक सत्रीय कार्य के तीन भाग हैं – भाग 'क', 'ख' एवं 'ग'। भाग 'क' में सैद्धांतिक पक्ष से संबंधित प्रश्न हैं और भाग 'ख' एवं 'ग' में प्रयोगात्मक अभ्यास हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य के 100 अंक हैं। इसमें 60 अंक भाग 'क' के हैं और 20-20 अंक भाग 'ख' एवं 'ग' के लिए हैं।

प्रत्येक सत्रीय कार्य के तीनों भाग अनिवार्य हैं। यदि कोई भाग छूट जाएगा तो आपका सत्रीय कार्य पूरा नहीं माना जाएगा और आपको अंक नहीं मिलेंगे। आपको सत्रीय कार्य दोबारा करना पड़ेगा।

तीनों सत्रीय कार्यों के भाग 'क' के प्रश्न इस पुस्तिका में हैं। सत्रीय कार्य का भाग 'ख' व भाग 'ग' प्रयोगात्मक अभ्यास हैं। इन अभ्यासों का विस्तृत ब्यौरा प्रत्येक पाठ्यक्रम से संबद्ध प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में छपा है, जो आपको प्रत्येक पाठ्य सामग्री के साथ मिल गई होगी। **प्रत्येक नियमावली में 9 से 10 अभ्यास हैं, जिसमें से आपको दो अभ्यास सत्रीय कार्य हतु करने हैं।** प्रत्येक नियमावली में से कौन-से अभ्यास सत्रीय कार्य के लिए करने हैं, यह इस पुस्तिका में छपे सत्रीय कार्य के भाग 'ख' तथा भाग 'ग' में बताए गए सिद्धांतों और संकल्पनाओं को वास्तविक जीवन से जोड़ पाएंगे। **फिर भी हमारा सुझाव है कि आप प्रयोगात्मक नियमावली में दिए गए सभी 9 या 10 अभ्यासों को करें।** ऐसा करने से आप बच्चों के साथ अंतःक्रिया करने के कौशल भी विकसित कर पाएंगे और परियोजना कार्य (यानी, पाठ्यम 4) करने में आपको सहायता मिलेगी। साथ ही, सभी अभ्यास करने के बाद आप मूल्यांकन के लिए वह प्रयोगात्मक अभ्यास भेज सकते हैं जो आपने बेहतर रूप से किया हो।

सत्रीय कार्यों का उद्देश्य : इन सत्रीय कार्यों का एक उद्देश्य यह मूल्यांकन करना है कि पाठ्यक्रमों में वर्णित संकल्पनाओं को आप कितनी अच्छा तरह समझ पाए हैं। इसका मूल्यांकन भाग 'क' में दिए गए प्रश्नों से किया जाएगा। इन सत्रीय कार्यों का दूसरा लक्ष्य यह जानना भी है कि आप इन संकल्पनाओं को दिन-प्रतिदिन की स्थितियों में किस हद तक लागू कर सकते हैं। इसका मूल्यांकन भाग 'ख' और 'ग' में बताए गए प्रयोगात्मक अभ्यासों से किया जाएगा। प्रयोगात्मक अभ्यासों द्वारा आपको बच्चों के विकास के बारे में समझने का अवसर मिलेगा और आप खंडों में बताए गए सिद्धांतों और संकल्पनों को वास्तविक जीवन से जोड़ पाएंगे।

सत्रीय कार्य से संबंधित बातें :

करें :

1) जैसे ही आपको सत्रीय कार्य पुस्तिका मिले, आप उसे अच्छी तरह देख लें कि उसमें सभी पृष्ठ हैं या नहीं। यदि कोई पृष्ठ न हो तो उसके बारे में हमें सूचित करें।

2) सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में जमा करें।

3) सत्रीय कार्य जमा करने से पहले उसकी एक फोटोकॉपी (प्रतिलिपि) अपने पास अवश्य रखें। यदि आपके द्वारा जमा किया गया सत्रीय कार्य किसी कारणवश खो जाता है तो आपसे उसकी फोटोकॉपी (प्रतिलिपि) जमा करने के लिए कहा जाएगा।

4) हमारे पास भेजे गए सत्रीय कार्य और जाँचे गए पत्रकों का लेखा-जोखा रखें। यह आपको अपने कार्य की अनुसूची बनाने में सहायक होगा और आप उसी सत्रीय कार्य को दोबारा नहीं भेजेंगे।

न करें :

1) जाँचे गए उत्तर-पत्र को भेजने के लिए हमसे संपर्क/पत्र-व्यवहार न करें। जितनी जल्दी हो सकेगा हम जाँचे गए उत्तर-पत्र आपको भेज देंगे।

2) जाँचे जा चुके सत्रीय कार्य को गुम न होने दें। जब तक यह पाठ्यक्रम पूरा नहीं हो जाता, तब तक आपको कभी भी इसकी ज़रूरत पड़ सकती है।

3) सत्रीय कार्य के साथ अपनी पुष्टि के लिए प्रश्न न भेजें। अगर आप हमारा ध्यान किसी महत्त्वपूर्ण या ज़रूरी बात की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, तो हमें अलग से पत्र लिखकर बताइए। अपने पत्र के ऊपर अपना नाम, पता, पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य संख्या, इत्यादि लिखें।

निर्देश :

सत्रीय कार्य करने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक अवश्य लिखें।

2. अपने उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य का कोड और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखें जिससे आप संबद्ध हैं।

शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य के उत्तर-पत्र का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से होगा :

पाठ्यक्रम शीर्षक	नामांकन संख्या ....
सत्रीय कार्य सं.	नाम ....
अध्ययन केंद्र	पता ....
	....
	दिनांक ....

उपर्युक्त फॉरमेट का अनुसरण करें। ऐसा न किए जाने पर आपका सत्रीय कार्य आपको लौटा दिया जाएगा और उसे सही फॉरमेट में दुबारा जमा कराना पड़ेगा।

3. कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देशों को पढ़ें।

4. कृपया नोट करें कि यदि आप पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य निर्धारित समय से अपने अध्ययन केंद्र में नहीं जमा कराते हैं तो आपको पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. **इस सत्रीय कार्य के भाग 'क' 'ख' और 'ग' को एक साथ संलग्न कर जमा कराएँ, अन्यथा आपका सत्रीय कार्य बिना जाँचे आपको लौटा दिया जाएगा।**

सत्रीय कार्य-1

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : डी.ई.सी.ई.-1

सत्रीय कार्य कोड : डी.ई.सी.ई.-1/सत्रीय कार्य-1/टीएमए-1/2024

जनवरी 2024 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 30 सितंम्बर, 2024 **(कुल अंक = 100)**
जुलाई 2024 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2025

भाग (क),(ख) और (ग) तीनों अनिवार्य हैं।

भाग (क)

सभी प्रश्नों के उत्तर दें। **60 अंक**

1. (क) विकास की दोनों दिशाओं –सिर से पैर (सेफलोकॉडल) और मध्य–से–बाहर (प्रोक्सिमोडिस्टल) को सपष्ट करते हुए उनके बारे में चर्चा कीजिए।

   (ख) जन्म से लकर एक वर्ष तक आयु के बच्चों में स्थूल क्रियात्मक विकास का वर्णन करें।
   (प्रत्येक 300 शब्द : 4+4=8 अंक)

2. चर साल की आयु के बच्चों मे निम्नलिखित क्षमताओं के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक गतिविधि का वर्णन करें।
   (क) पठन–पूर्व
   (ख) रचनात्मकता
   (ग) सूक्ष्म क्रियात्मक कौशल
   (प्रत्येक 300 शब्द : 3x3=9 अंक)

3. (क) 3–6 वर्ष की आयु के बच्चे के भाषायी कौ''ाल का वर्णन करें।
   (ख) भाषा के विकास को प्रभावित करने वाले कारक क्या हैं ?
   (प्रत्येक 300 शब्द : 3+3=6 अंक)

4. बल देखभाल केंद्र की गतिविधियों मे माता–पिता को सम्मिलित करने के लिए, उन तक पहुंचने की किन्हीं दो तरीकों पर चर्चा करें।
   (प्रत्येक 500 शब्द : 5 अंक)

5. (क) पाठ्यचर्या की योजना बनाने में शामिल पांच चरणों की सूची बनाइए।
   (ख) दीर्घकालिक और अल्पकालिक लक्ष्य क्या होते हैं?
   (प्रत्येक 500 शब्द : 2+5=7 अंक)

6. बच्चों में आक्रामकता के किन्हीं तीन कारणों पर चर्चा करें?माता पिता बच्चों को समाजीकृत करने/आक्रामक व्यवहार से निपटने के लिए जिन तीन तरीको का इस्तेमाल कर सकते है, उनका वर्णन कीजिये।
   (500 शब्द : 5 अंक)

7. शालापूर्व(इसीसीई) केंद्र में जगह और खेल सामग्री का मूल्यांकन करते समय आपकिन बिंदुओं को ध्यान में रखेंगे? अपने उत्तरका समर्थन करने के लिए एक चेकलिस्ट बनाएं। (500 शब्द : 5 अंक)

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक के बारे में लगभग 200 शब्दों में लिखिए। (प्रत्येक 300 शब्द : 3 x 5= 15 अंक)
(क) परोपकारिता और समानुभूति
(ख) शालापूर्व केंद्रमें भीतरी स्थान का मूल्यांकन करते समय ध्यान में रखने योग्य बिंदुए
(ग) बच्चों की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए कोई एक विधि
(घ) विकास की निर्णायक अवधियाँ
(ङ) नवजात शिशु की क्षमताएं

भाग (ख)

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चों के अवलोकन से संबंधित कोई भी **एक अभ्यास** करना है। डीईसीई–1 की प्रयोगात्मक कार्यो की नियमावली में वर्णित 4,6 या 7 अभ्यासों में से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्षदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं, तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपको बच्चों का अवलोकन करने, अपने अवलोकनों को रिकार्ड करने और उनका विश्लेषण करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें।

अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैः

अभ्यास 4

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन : बच्चे तथा माता–पिता का अवलोकन करना तथा
अवलोकनों को रिकार्ड करनाः **10 अंक**
अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष : **10 अंक**

अभ्यास 6

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन : बच्चे काअवलोकन करना तथा अवलोकनों का रिकार्ड करना : **10 अंक**
अवलोकनों को विश्लेषण तथा निष्कर्ष : **10 अंक**

अभ्यास 7

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन : मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित क्रियाएँ आयोजित
करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना : **5+5= 10 अंक**
मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित अवलोकनों का
विश्लेषण तथा निष्कर्ष : **5+5= 10 अंक**

भाग (ग)

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चों के लिए क्रियाओं की योजना बनाने और उन्हें आयोजित करने संबंधित कोई भी **एक अभ्यास** करना है। डीईसीई–1 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित 5, 8या9 अभ्यासों में से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्षदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपकोखेल क्रियाओं की योजना बनाने तथा उन्हें कार्यान्वित करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें।

अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैं:

अभ्यास 5

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	शिशु के साथ बनाए खिलौने के साथ खेलना और अवलोकनों को रिकार्ड करना:	**10 अंक**
	खेल क्रिया का मूल्यांकन करना और निष्कर्ष लिखना :	**10 अंक**

अभ्यास 8

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	दो खेल क्रियाओं की योजना बनाना :	**5+5= 10 अंक**
	क्रियाएँ आयोजित करना व उनका विश्लेषण तथा मूल्यांकन करना :	**5+5= 10 अंक**

अभ्यास 9

कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	त्यौहार का वर्णन करना:	**2 अंक**
	कमरे को पुनः व्यवस्थित करने के सुझाव देना:	**6 अंक**
	सप्ताह भर की गतविधियों की अनुसूची बनाना:	**6 अंक**
	गतिविधियों की अनुसूचियों का संक्षिप्त विवरण:	**6 अंक**